भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-5368
उत्तर दिनांक 25/03/2026 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए निवेश

5368. श्रीमती शताब्दी राय बनर्जी

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या भारत को वर्ष 2047 तक अपने परमाणु ऊर्जा क्षमता लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लगभग 217 बिलियन यूएसडी के निवेश की आवश्यकता होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान परमाणु ऊर्जा क्षमता कितनी है और वर्ष 2030, 2040 और 2047 के लिए निर्धारित लक्ष्यों सहित अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकारी निवेश, पीएसयू और निजी भागीदारी के लिए परिकल्पित भूमिका सहित इस विस्तार के लिए प्रस्तावित वित्तपोषण के स्रोतों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) वर्ष 2047 तक नाभिकीय ऊर्जा मिशन के अंतर्गत 100 गीगावाट का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए वर्ष 2047 तक की अवधि में लगभग 90 गीगावाट नाभिकीय विद्युत क्षमता बढ़ाई जानी है। प्रत्येक परियोजना प्रस्ताव को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही निवेश का वास्तविक निर्धारण किया जा सकता है।

(ख) वर्तमान स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 8.78 गीगावाट (आरएपीएस-1 को छोड़कर) है। वर्तमान में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में चल रही परियोजनाओं के क्रमिक पूर्ण होने पर वर्ष 2031-32 तक लगभग 22 गीगावाट विद्युत क्षमता हासिल करने का लक्ष्य है। वर्ष 2047 के लिए निर्धारित लक्ष्य 100 गीगावाट है। इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार की गई है।

(ग) सरकार ने नाभिकीय ऊर्जा में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी को सक्षम करने के लिए शांति अधिनियम अधिनियमित किया है। नियोजित कुल 100 गीगावाट क्षमता में से, लगभग 54 गीगावाट एनपीसीआईएल द्वारा और शेष क्षमता सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा विकसित की जाएगी।

*****